
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

भूसंसाधन तथा कृषि

भूमि सुधार व अभ्यास प्रश्न

अध्याय-3 | भाग-12

एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



1 भारतीय कृषि की समस्याएँ

2 अभ्यास प्रश्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



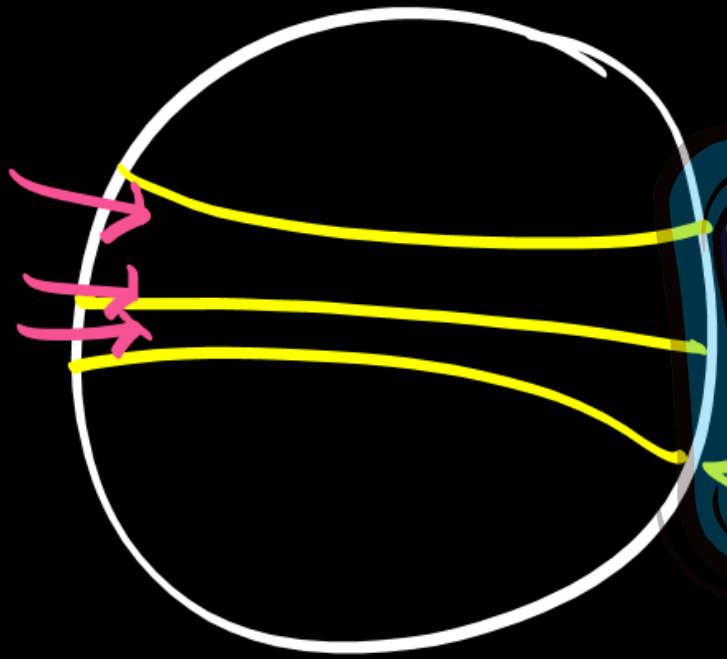
(लेग्यूम फसल)
दलहन फसल
⇓
फलीदार
⇓
वायुमण्डल नाइट्रोजन ग्रहण
भूमि मे नाइट्रोजन की मात्रा

सिंचित क्षेत्रों में प्रभाव

- फ़सल प्रतिरूप के दलहन (लेग्यूम) विस्थापित
- बहु-फ़सलीकरण से परती भूमि की मात्रा में कमी
- उर्वरकता पाने की प्राकृतिक प्रक्रिया अवरुद्ध

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नोट

तापमान

उष्ण कटिबंधीय आर्द्र व अर्ध शुष्क क्षेत्र भी कई प्रकार के भू-निम्नीकरण से प्रभावित हुए हैं, जैसे जल द्वारा मृदा अपरदन तथा वायु अपरदन जो प्राय: मानवकृत है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

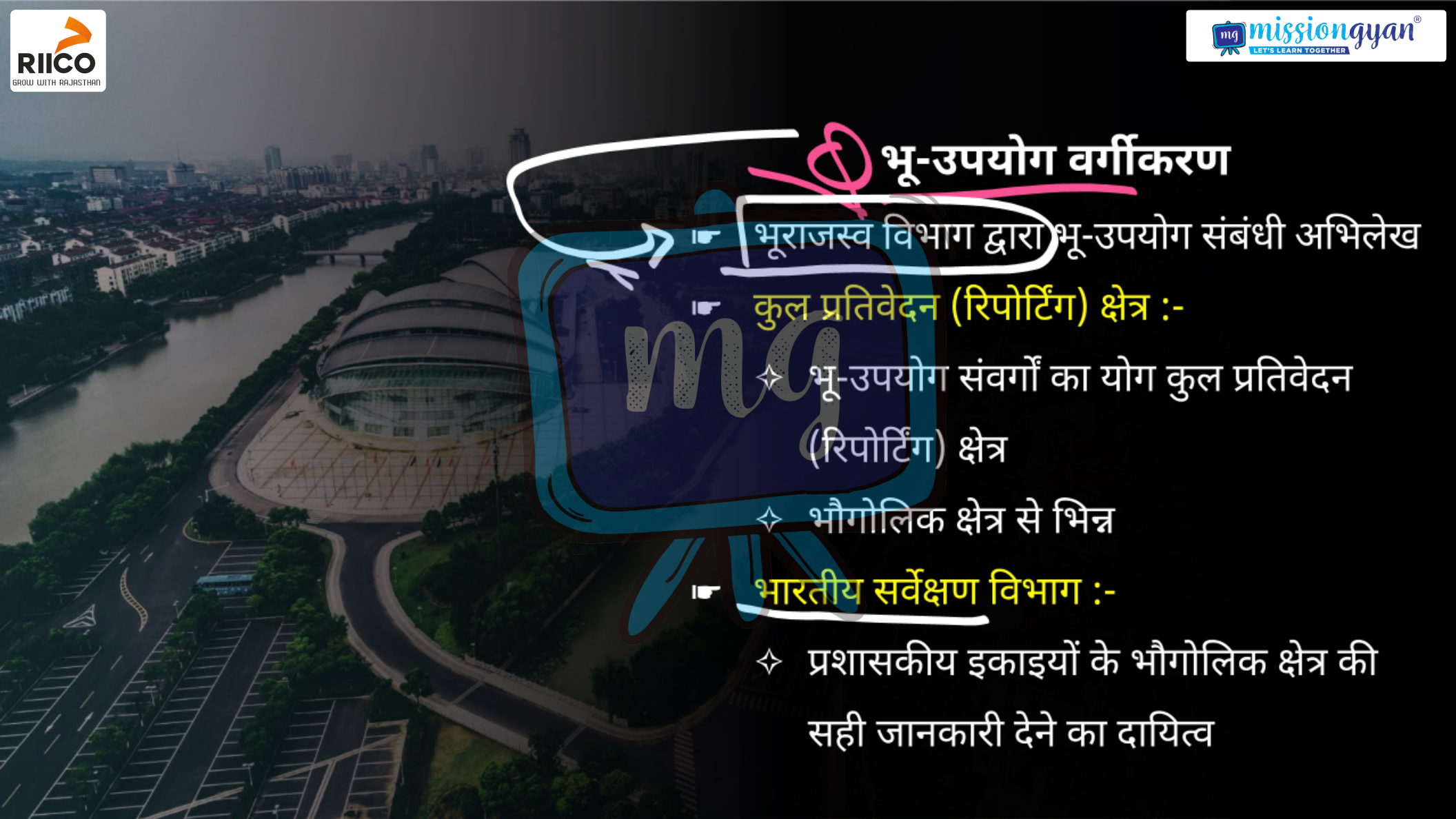
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूसंसाधन

मनुष्य द्वारा भूमि को उत्पादन, रहने तथा मनोरंजक कार्यों हेतु संसाधन के रूप में प्रयोग

स्कूल की इमारत, सड़कें, क्रीड़ा उद्यान, खेत एवं चरागाह





भू-उपयोग वर्गीकरण

- भूराजस्व विभाग द्वारा भू-उपयोग संबंधी अभिलेख
- कुल प्रतिवेदन (रिपोर्टिंग) क्षेत्र :-
  - भू-उपयोग संवर्गों का योग कुल प्रतिवेदन (रिपोर्टिंग) क्षेत्र
  - भौगोलिक क्षेत्र से भिन्न
- भारतीय सर्वेक्षण विभाग :-
  - प्रशासकीय इकाइयों के भौगोलिक क्षेत्र की सही जानकारी देने का दायित्व

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भूराजस्व विभाग	भारतीय सर्वेक्षण विभाग
भूराजस्व द्वारा प्रस्तुत क्षेत्रफल पत्रों के अनुसार रिपोर्टिंग क्षेत्र पर आधारित है जो कि कम या अधिक हो सकता है।	कुल भौगोलिक क्षेत्र भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सर्वेक्षण पर आधारित है तथा यह स्थायी है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूराजस्व अभिलेख द्वारा अपनाया गया भू-उपयोग वर्गीकरण

1. वनों के अधीन क्षेत्र
2. बंजर व व्यर्थ-भूमि
3. गैर कृषि-कार्यों में प्रयुक्त भूमि
4. स्थायी चरागाह क्षेत्र
5. विविध तरु-फ़सलों व उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र
6. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि
7. वर्तमान परती भूमि
8. पुरातन परती भूमि
9. निवल बोया क्षेत्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. वनों के अधीन क्षेत्र

- वर्गीकृत वन क्षेत्र तथा वनों के अंतर्गत वास्तविक क्षेत्र दोनों पृथक हैं।
- सरकार द्वारा वर्गीकृत वन क्षेत्र का सीमांकन इस प्रकार किया जहाँ वन विकसित हो सकते हैं।
- इस संवर्ग के क्षेत्रफल में वृद्धि दर्ज हो सकती है परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि वहाँ वास्तविक रूप से वन पाए जाएँगे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. बंजर व व्यर्थ-भूमि

- भूमि जो प्रचलित प्रौद्योगिकी की मदद से कृषि योग्य नहीं बनाई जा सकती
- बंजर पहाड़ी भूभाग, मरुस्थल, खड्ड आदि कृषि अयोग्य व्यर्थ-भूमि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. गैर कृषि-कार्यों में प्रयुक्त भूमि

- बस्तियाँ : ग्रामीण व शहरी
- अवसंरचना : सड़कें, नहरें
- उद्योगों, दुकानों आदि हेतु भू-उपयोग
- द्वितीयक व तृतीयक कार्यकलापों में वृद्धि से इस संवर्ग के भू-उपयोग में वृद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. स्थायी चरागाह क्षेत्र

- भूमि पर ग्राम पंचायत या सरकार का स्वामित्व
- भूमि का केवल एक छोटा भाग निजी स्वामित्व में
- साझा संपत्ति संसाधन: ग्राम पंचायत के स्वामित्व वाली भूमि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. विविध तरु-फसलों व उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र

उद्यान व फलदार वृक्ष

- जो बोए गए निवल क्षेत्र में सम्मिलित नहीं है।
- भूमि जिस पर उद्यान व फलदार वृक्ष हैं।
- अधिकतर भूमि निजी स्वामित्व में है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि

- भूमि जो पिछले पाँच वर्षों तक या अधिक समय तक परती या कृषिरहित है।
- भूमि उद्धार तकनीक द्वारा इसे सुधार कर कृषि योग्य बनाया जा सकता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. वर्तमान परती भूमि

- भूमि जो एक कृषि वर्ष या उससे कम समय तक कृषिरहित रहती है।
- भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु भूमि का परती रखना एक सांस्कृतिक चलन है।
- इस विधि से भूमि की क्षीण उर्वरकता या पौष्टिकता प्राकृतिक रूप से वापस आ जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. पुरातन परती भूमि

1+ से अधिक 5 वर्ष तक

- कृषि योग्य भूमि, जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षों से कम समय तक कृषिरहित
- भूभाग पाँच वर्ष से अधिक समय तक कृषि रहित रहता है तो इसे कृषि योग्य व्यर्थ भूमि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

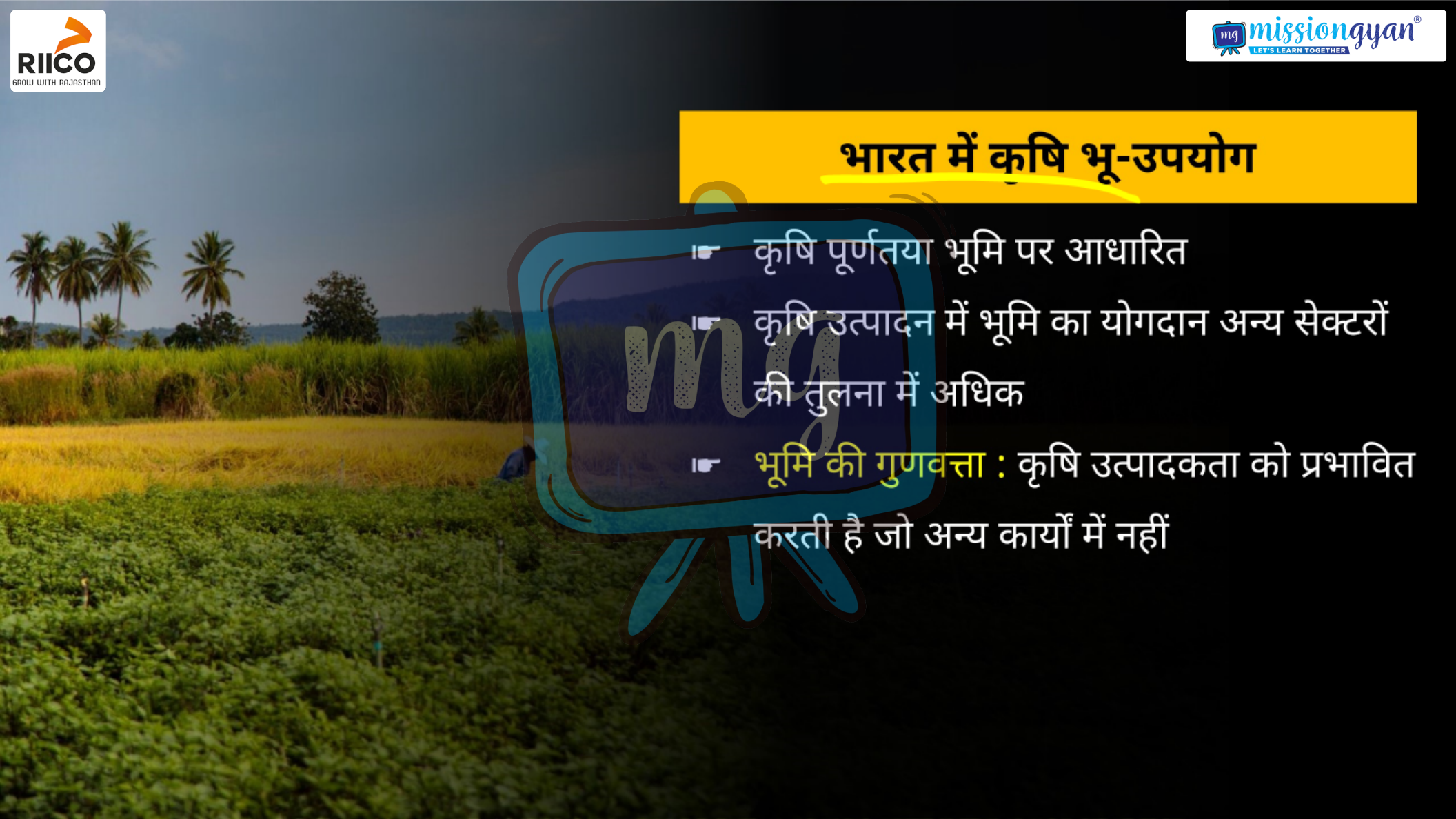
9. निवल बोया क्षेत्र

भूमि जिस पर फ़सलें उगाई व काटी जाती हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में कृषि भू-उपयोग

- कृषि पूर्णतया भूमि पर आधारित
- कृषि उत्पादन में भूमि का योगदान अन्य सेक्टरों की तुलना में अधिक
- भूमि की गुणवत्ता : कृषि उत्पादकता को प्रभावित करती है जो अन्य कार्यों में नहीं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ग्रामीण क्षेत्र

- भू-स्वामित्व का आर्थिक मूल्य
- भू-स्वामित्व का सामाजिक मूल्य
- प्राकृतिक आपदाओं में एक सुरक्षा की भाँति
- निजी विपत्ति में एक सुरक्षा की भाँति
- समाज में प्रतिष्ठा बढ़ाता

नोट

ग्रामीण क्षेत्रों में **भूमिहीनता** प्रत्यक्ष रूप से वहाँ की **गरीबी** से संबंधित है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



समस्त कृषि योग्य भूमि की संरचना

कृषि योग्य भू-उपयोग वर्ग	रिपोर्टिंग क्षेत्रफल का प्रतिशत		समस्त कृषि योग्य भूमि का प्रतिशत	
	1950-51	2019-20	1950-51	2019-20
कृषि योग्य बंजर भूमि	8.0	3.9	13.4	6.8
पुरातन परती भूमि	6.1	3.7	10.2	6.4
वर्तमान परती भूमि	3.7	4.5	6.2	7.8
निवल बोया गया क्षेत्र	41.7	45.6	70.0	79.0
सकल कृषि योग्य भूमि	59.5	57.7	100.00	100.00


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
नोट
पिछले वर्षों में समस्त रिपोर्टिंग क्षेत्र से कृषि भूमि का प्रतिशत कम हुआ है।
कृषि योग्य व्यर्थ भूमि संवर्ग में कमी के बावजूद कृषि योग्य भूमि में कमी आई है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में निवल बोया गया क्षेत्र

भारत में निवल बोए गए क्षेत्र में बढ़ोतरी की संभावनाएँ सीमित

भूमि बचत प्रौद्योगिकी विकसित करना अत्यंत आवश्यक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूमि बचत प्रौद्योगिकी

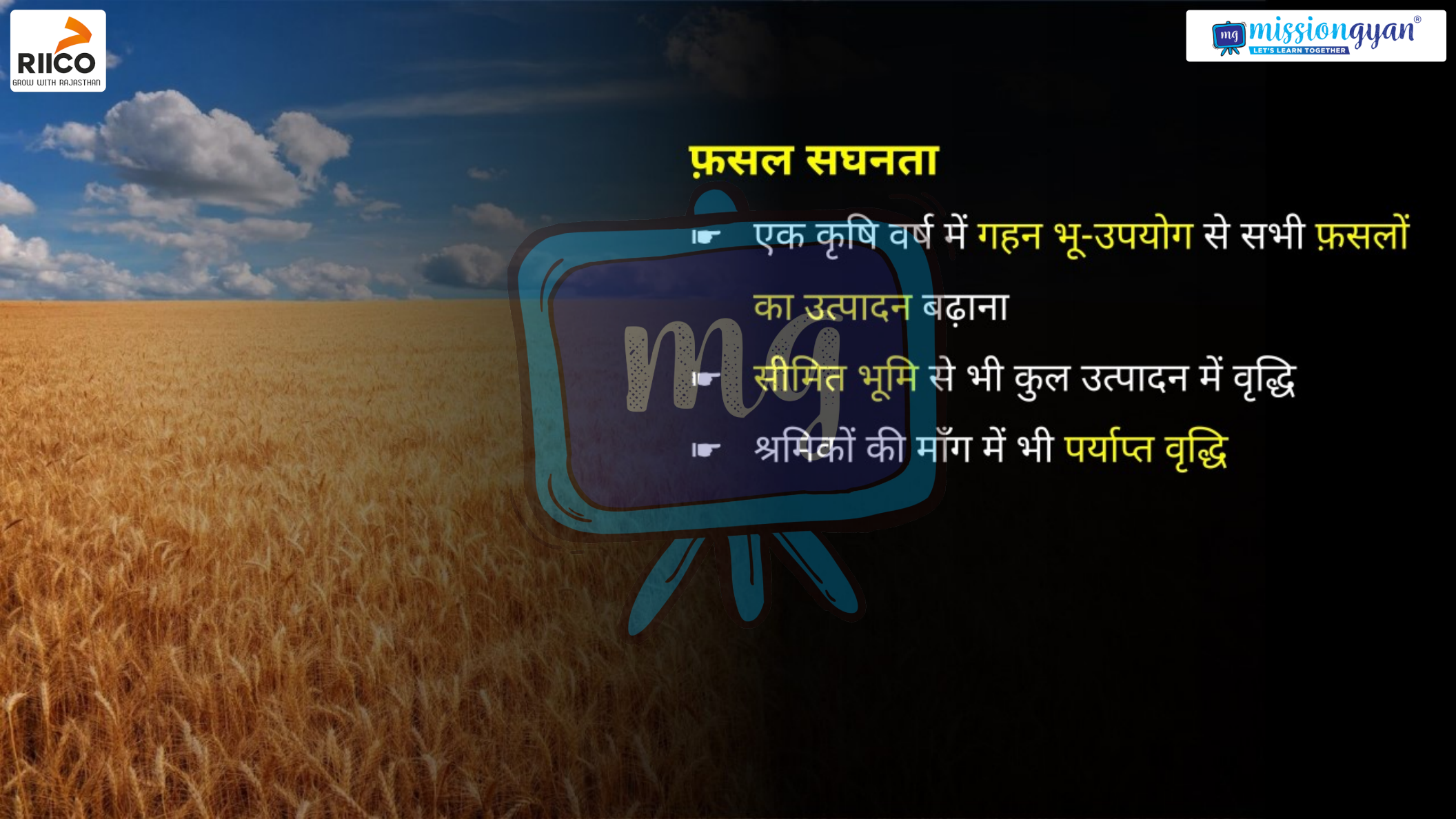


1. प्रौद्योगिकी जो प्रति इकाई भूमि में फ़सल विशेष की उत्पादकता बढ़ाएँ

2. प्रौद्योगिकी जो प्रति इकाई भूमि में फ़सल विशेष की उत्पादकता बढ़ाएँ

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



फ़सल सघनता

- एक कृषि वर्ष में गहन भू-उपयोग से सभी फ़सलों का उत्पादन बढ़ाना
- सीमित भूमि से भी कुल उत्पादन में वृद्धि
- श्रमिकों की माँग में भी पर्याप्त वृद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

$$\text{कृषि गहनता} = \frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल बोया गया क्षेत्र}} \times 100$$



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अभ्यास प्रश्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए।

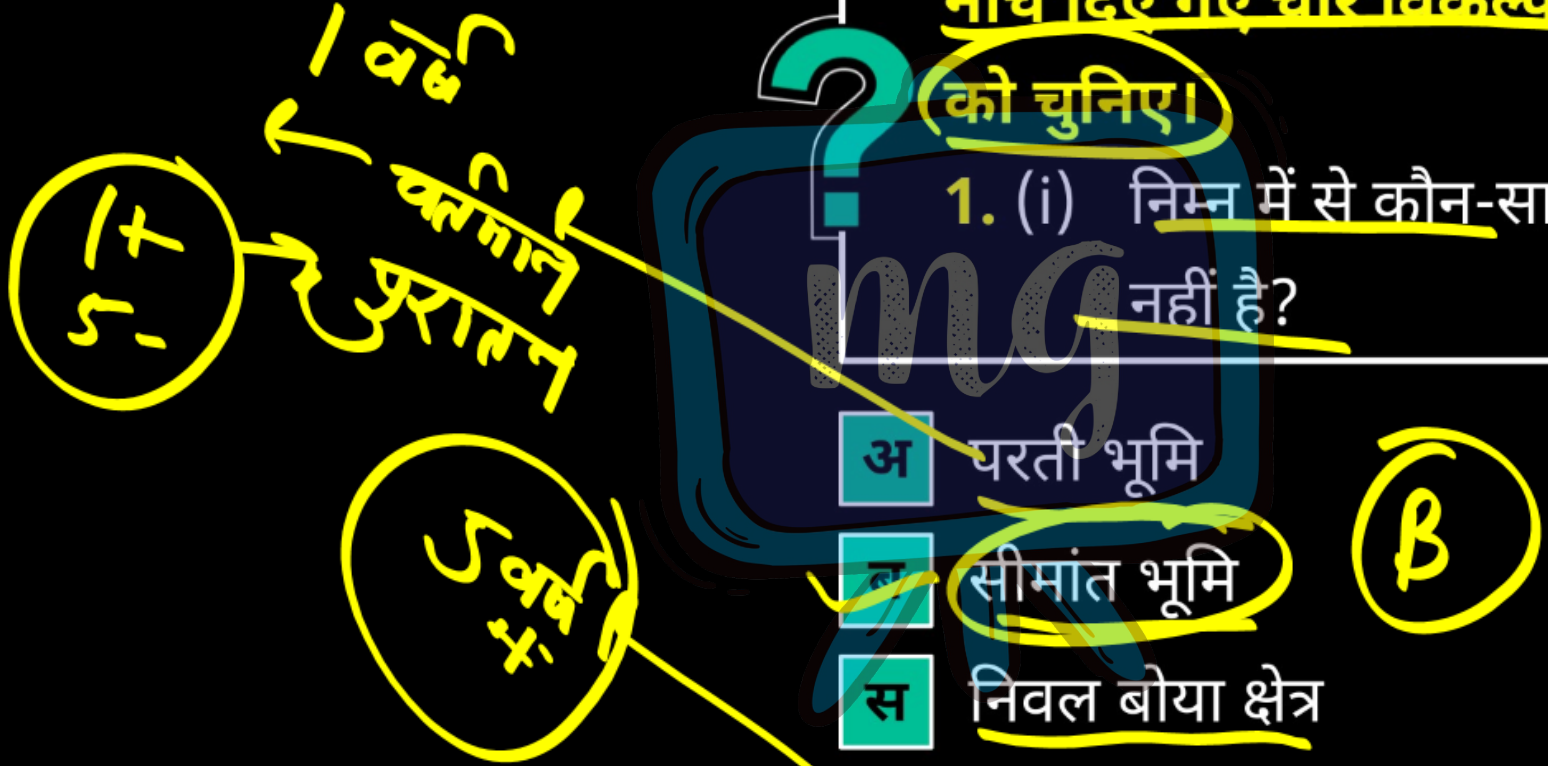
1. (i) निम्न में से कौन-सा भू-उपयोग संवर्ग नहीं है?

अ परती भूमि

ब सीमांत भूमि

स निवल बोया क्षेत्र

द कृषि योग्य व्यर्थ भूमि



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. (ii) पिछले 40 वर्षों में वनों का अनुपात बढ़ने का निम्न में से कौन-सा कारण है?

अ वनीकरण के विस्तृत व सक्षम प्रयास

ब सामुदायिक वनों के अधीन क्षेत्र में वृद्धि

स वन बढ़ोतरी हेतु निर्धारित अधिसूचित क्षेत्र में वृद्धि

द वन क्षेत्र प्रबंधन में लोगों की बेहतर भागीदारी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अवनालिका अपरदन
↓
नदीयों के द्वारा गहरी नालियां बनाकर अपरदन होता है
Ex- चम्बल

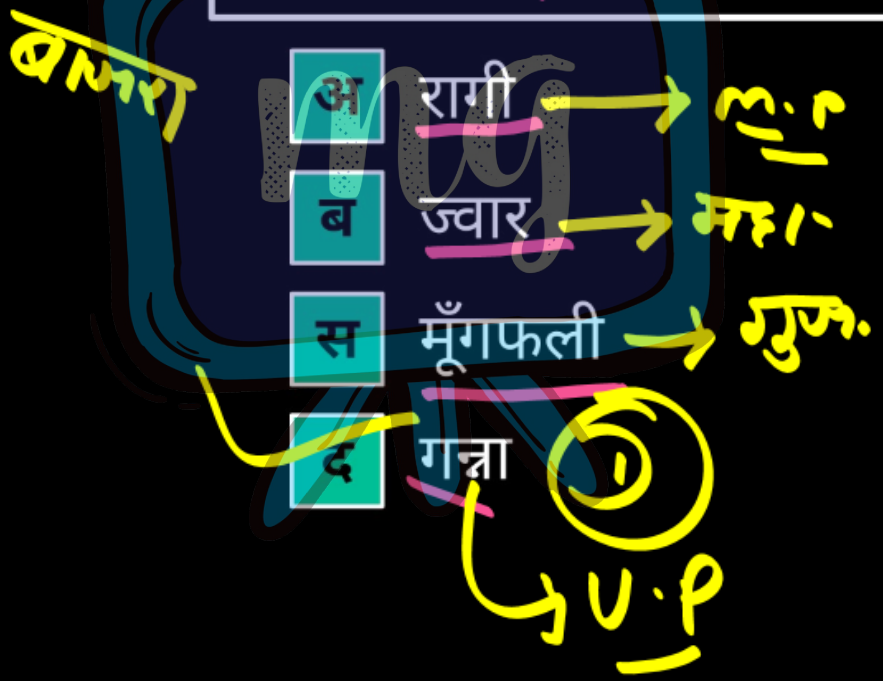
1. (iii) निम्न में से कौन-सा सिंचित क्षेत्रों में भू-निम्नीकरण का मुख्य प्रकार है?

अ	अवनालिका अपरदन
ब	वायु अपरदन → वायु के द्वारा होने
स	मृदा लवणता
द	भूमि पर सिल्ट का जमाव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. (iv) शुष्क कृषि में निम्न में से कौन-सी फ़सल नहीं बोई जाती?



अ रागी

ब ज्वार

स मूँगफली

द गन्ना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हरित क्रान्ति

→ जनक - एम.एस. स्वामीनाथन

→ प्रारम्भ - 1966-67

1. (v) निम्न में से कौन से देशों में गेहूँ व चावल की अधिक उत्पादकता की किस्में विकसित की गई थीं

अ	जापान तथा आस्ट्रेलिया
ब	संयुक्त राज्य अमेरिका तथा जापान
स	मैक्सिको तथा फिलीपींस
द	मैक्सिको तथा सिंगापुर

गेहूँ

चावल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बंजर भूमि पर प्रश्नोत्तरी

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

2. (i) बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर :

बंजर भूमि वह है जो प्राकृतिक कारणों से कृषि के अयोग्य है, जबकि कृषि योग्य व्यर्थ भूमि सुधर के बाद खेती योग्य हो सकती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

100 हैक्टेयर

2. (ii) निवल बोया गया क्षेत्र तथा सकल बोया गया क्षेत्र में अंतर बताएँ।

उत्तर :

- निवल बोया गया क्षेत्र वह है जहाँ वर्ष में एक बार खेती होती है, जबकि सकल बोया गया क्षेत्र में एक से अधिक बार बोई गई भूमि भी शामिल होती है।

1 कृषि वर्ष →

100 हैक्टेयर

1 कृषि = निवल बोया

खरीफ → 100
रबी → 100
जायद → 100

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. (iii) भारत जैसे देश में गहन कृषि नीति अपनाने की आवश्यकता क्यों है?

क्षेत्रफल → 32,87,263 वर्ग किमी
वर्तमान लगभग 145 करोड़

उत्तर :

भारत में सीमित भूमि, बढ़ती जनसंख्या और खाद्यान्न आवश्यकता के कारण प्रति इकाई भूमि उत्पादन बढ़ाने हेतु गहन कृषि नीति आवश्यक है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वर्षाकृत



2. (iv) शुष्क कृषि तथा आर्द्र कृषि में क्या अंतर हैं?

उत्तर :

- शुष्क कृषि कम वर्षा वाले क्षेत्रों में वर्षा-आधारित होती है, जबकि आर्द्र कृषि अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।

3. (i) भारत में भूसंसाधनों की विभिन्न प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ कौन-सी हैं? उनका निदान कैसे किया जाए?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

भारत में भूसंसाधनों से संबंधित प्रमुख पर्यावरणीय समस्याएं

- मृदा अपरदन, जलाक्रांतता, लवणता, मृदा क्षारता तथा भूमि निम्नीकरण
- अत्यधिक सिंचाई से जलाक्रांतता उत्पन्न होती है,

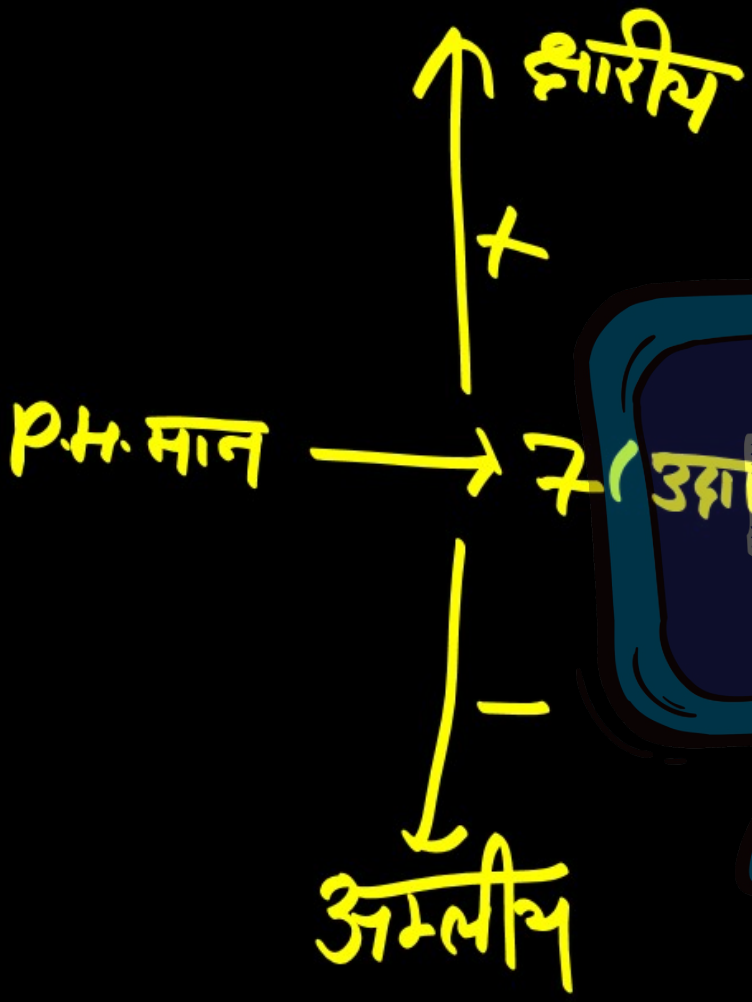
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से मृदा की उर्वरता घटती है।
- उष्णकटिबंधीय आर्द्र एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जल एवं वायु द्वारा मृदा अपरदन एक गंभीर समस्या है।
- बहुफसलीकरण एवं परती भूमि में भूमि की प्राकृतिक उर्वरता पुनः प्राप्त करने की प्रक्रिया बाधित होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पर्यावरणीय समस्याओं के निदान हेतु आवश्यक

- समुचित जल प्रबंधन
- नियंत्रित सिंचाई → सैम
- जैविक खेती →
- फसल चक्र अपनाना
- दलहनी फसलों को बढ़ावा देना
- मृदा संरक्षण उपायों को लागू करना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. (ii) भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् कृषि विकास की महत्वपूर्ण नीतियों का वर्णन करें–

उत्तर :

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् कृषि विकास की महत्वपूर्ण नीतियां

- स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार का मुख्य लक्ष्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापारिक खाद्यान्न

- इसके लिए व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्नों को प्राथमिकता दी गई, कृषि गहनता बढ़ाई गई तथा परती भूमि को कृषि भूमि में बदला गया।

1960 के दशक में

- गहन कृषि जिला कार्यक्रम (IADP) और गहन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (IAAP) शुरू किए गए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बाद में उच्च उत्पादकता किस्मों (HYV), रासायनिक उर्वरकों, सिंचाई और कृषि यंत्रों के प्रयोग से हरित क्रांति का आरंभ हुआ, जिससे भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना।

योजना आयोग

1988 में

- कृषि जलवायु नियोजन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1990 के बाद

- सतत कृषि व जैविक खेती को बढ़ावा देने की नीतियाँ अपनाई गईं।





अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. भारत में भू-उपयोग अभिलेख किस विभाग द्वारा रखे जाते हैं?

अ भारतीय सर्वेक्षण विभाग → प्रशासनिक इकाई के लिए

ब कृषि मंत्रालय

स भूराजस्व विभाग ©

द योजना आयोग

कृषि, जलवायु नियोजन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

① प्राथमिक → कृषि
② द्वितीयक → उद्योग
③ तृतीयक → सेवा
गैर-कृषि

2. गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि में वृद्धि का प्रमुख कारण क्या है?

अ वनों का विस्तार

ब कृषि तकनीक

स औद्योगिक व सेवा क्षेत्र का विस्तार ✓

द वर्षा में वृद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

→ निम्न उत्पादकता का क्या कारण है?

3. भारतीय कृषि में निम्न उत्पादकता का प्रमुख कारण क्या है?

अ अधिक भूमि उपलब्धता

ब भूसंसाधनों पर अत्यधिक दबाव

स अत्यधिक यंत्रीकरण

द निर्यात नीति

ब

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. सीमांत और छोटे किसान आधुनिक कृषि में निवेश क्यों नहीं कर पाते?

60% किसान 5 1.0 हेक्टेयर कम भूमि।

40% किसान 0.5 हेक्टेयर से कम भूमि।

अ तकनीकी ज्ञान की कमी

ब श्रम की कमी

स कृषि बचत बहुत कम होने के कारण

द भूमि की अधिकता के कारण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

① पंजाब ② हरि. ③ उ.प्र
सर्वा. उत्पादी फसल -
① चावल ② गेहूँ

5. भारत में हरित क्रांति का सर्वाधिक प्रभाव किन क्षेत्रों में पड़ा?

अ शुष्क पठारी क्षेत्र

ब पर्वतीय क्षेत्र

स सिंचित उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र

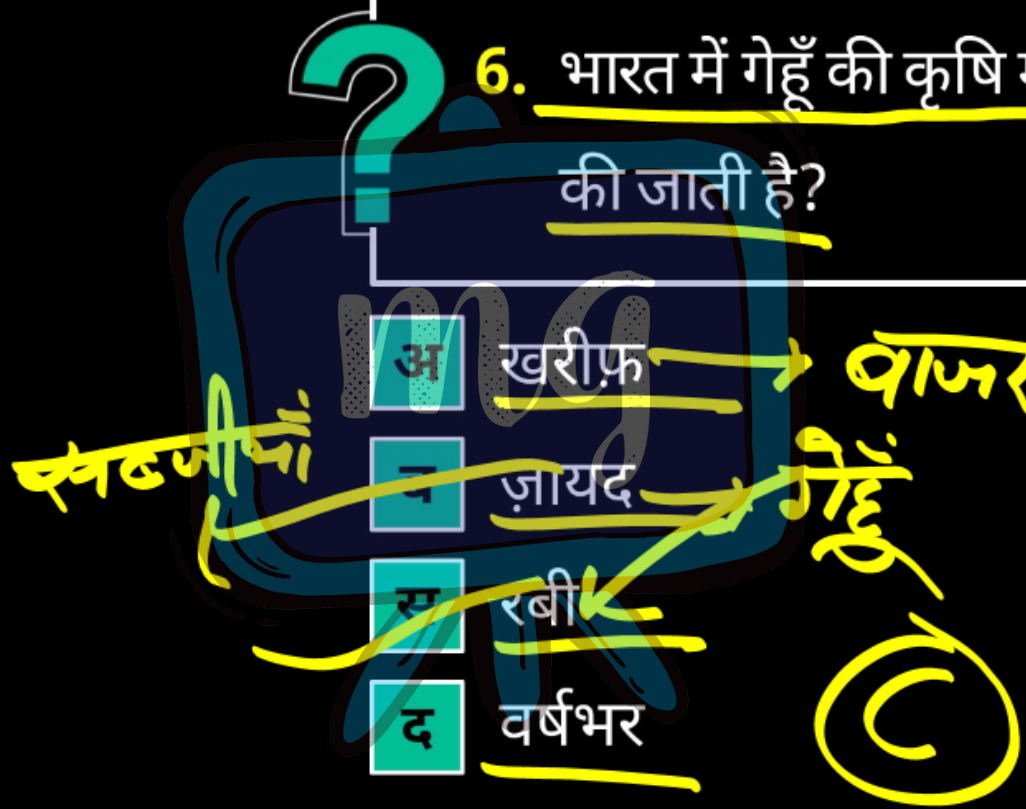
द तटीय क्षेत्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. भारत में गेहूँ की कृषि मुख्यतः किस ऋतु में की जाती है?

अ खरीफ़
ब ज़ायद
स रबी
द वर्षभर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. भारत में सर्वाधिक ज्वार उत्पादन करने वाला राज्य कौन-सा है?

अ कर्नाटक

ब मध्य प्रदेश

स तेलंगाना

द महाराष्ट्र



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. भारतीय कृषि में व्यापक अल्प रोज़गारी का मुख्य कारण क्या है?



अ अत्यधिक यंत्रीकरण

ब कृषि कार्यों का मौसमी होना

स सिंचाई की अधिकता

द फसल विविधता



9. सिंचित क्षेत्रों में भूमि निम्नीकरण का प्रमुख कारण क्या है?

अ दलहनी फसलों की वृद्धि

ब जैविक खेती

स जलाक्रांतता व लवणता

द परती भूमि की वृद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



10. भारत में भू-उपयोग परिवर्तन के प्रमुख कारण स्पष्ट करें।

उत्तर :

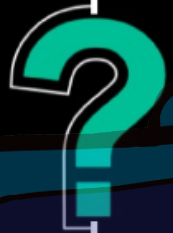
- भारत में भू-उपयोग परिवर्तन के मुख्य कारण
  - अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना
  - द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रों का विस्तार
  - बढ़ती जनसंख्या

- परिणामस्वरूप कृषि भूमि का उपयोग गैर-कृषि कार्यों में बढ़ा है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



11. साझा संपत्ति संसाधनों का ग्रामीण जीवन में महत्व बताइए।

उत्तर :

- साझा संपत्ति संसाधन ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब, भूमिहीन व छोटे किसानों की आजीविका का आधार हैं।
- ये चारा, ईंधन, लकड़ी व अन्य वन उत्पाद उपलब्ध कराते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



12. भारत में कृषि भूमि के निम्नीकरण के कारण लिखिए।

उत्तर : कृषि भूमि के निम्नीकरण के कारण

- अत्यधिक सिंचाई से जलाक्रांतता
- रासायनिक खाद व कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से मृदा क्षारता व विषाक्तता
- बहुफसलीकरण तथा परती भूमि में कमी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



13. हरित क्रांति के सकारात्मक प्रभावों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

हरित क्रांति के सकारात्मक प्रभाव

- हरित क्रांति से खाद्यान्न उत्पादन में तीव्र वृद्धि हुई।
- भारत आत्मनिर्भर बना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कृषि आधारित उद्योगों का विकास हुआ।
- उर्वरक, सिंचाई, कृषि यंत्रों एवं उच्च उत्पादक किस्मों का व्यापक प्रयोग बढ़ा।



14. भारतीय कृषि में छोटे एवं विखंडित जोत एक समस्या क्यों हैं?

उत्तर :

- छोटे व विखंडित भूजोतों में यंत्रीकरण, आधुनिक तकनीक तथा निवेश कठिन होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इससे उत्पादन लागत बढ़ती है, उत्पादकता घटती है और कृषि आर्थिक रूप से अलाभकारी बन जाती है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



15. भारतीय कृषि में ऋणग्रस्तता की समस्या क्यों बढ़ रही है?

उत्तर :

- आधुनिक कृषि में लागत अधिक है, जबकि छोटे और सीमांत किसानों की बचत बहुत कम होती है।

- फसल खराब होने और कम आय के कारण किसान महाजनों व संस्थानों से ऋण लेकर कर्ज़ के जाल में फँस जाते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

16. अनियमित मानसून भारतीय कृषि को किस प्रकार प्रभावित करता है?

उत्तर :

- भारत में अधिकांश कृषि वर्षा पर निर्भर है।
- मानसून की अनियमितता से कभी सूखा तो कभी बाढ़ आती है, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित होता है।

- नहरी सिंचाई भी मानसून पर निर्भर होने के कारण कृषि अस्थिर बनी रहती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



17. भारतीय कृषि की समस्याओं को प्रादेशिक क्यों कहा जाता है?

उत्तर :

- भारत में कृषि समस्याएँ जलवायु, मृदा, सिंचाई सुविधाओं तथा ऐतिहासिक विकास के अनुसार अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न हैं।
- कहीं सूखा प्रमुख समस्या है तो कहीं बाढ़।

- इसलिए भारतीय कृषि की समस्याएँ मुख्यतः प्रादेशिक स्वरूप की हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



18. भारत में कृषि उत्पादन बढ़ाने में सिंचाई की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- भारत में सिंचाई के प्रसार ने कृषि उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सिंचाई से जल की सुनिश्चित आपूर्ति संभव हुई, जिससे उच्च उत्पादकता वाले बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों तथा कृषि मशीनरी का प्रयोग बढ़ा।
- इससे चावल, गेहूँ व गन्ना जैसी फसलों के उत्पादन व उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

19. भारत में कृषि में प्रादेशिक असमानता क्यों उत्पन्न हुई?

उत्तर :

- हरित क्रांति प्रारंभ में केवल सिंचित क्षेत्रों जैसे पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित रही।
- असिंचित व वर्षा आधारित क्षेत्रों में नई तकनीक का प्रसार नहीं हो सका।

- परिणामस्वरूप कृषि विकास में क्षेत्रीय असमानता बढ़ी, जो 1970 के दशक के अंत तक बनी रही।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

20. भारतीय कृषि में अल्प रोज़गारी की समस्या स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- भारतीय कृषि में विशेषकर असिंचित क्षेत्रों में व्यापक अल्प रोज़गारी पाई जाती है।
- यहाँ ऋतुविक बेरोज़गारी 4 से 8 महीने तक रहती है।

- कृषि कार्य पूरे वर्ष श्रमसाध्य नहीं होते, जिससे कृषकों को निरंतर रोजगार नहीं मिल पाता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



21. स्वतंत्रता के बाद भारत में कृषि विकास के प्रारंभिक उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार का तात्कालिक उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढाना था।
- इसके लिए व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्नों की कृषि को बढ़ावा दिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कृषि गहनता बढ़ाई गई तथा बंजर और परती भूमि को कृषि योग्य बनाया गया।
- प्रारंभ में उत्पादन बढ़ा, लेकिन 1950 के दशक के अंत तक उत्पादन स्थिर हो गया, जिससे नई कृषि नीतियों की आवश्यकता महसूस हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



22. हरित क्रांति के प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।

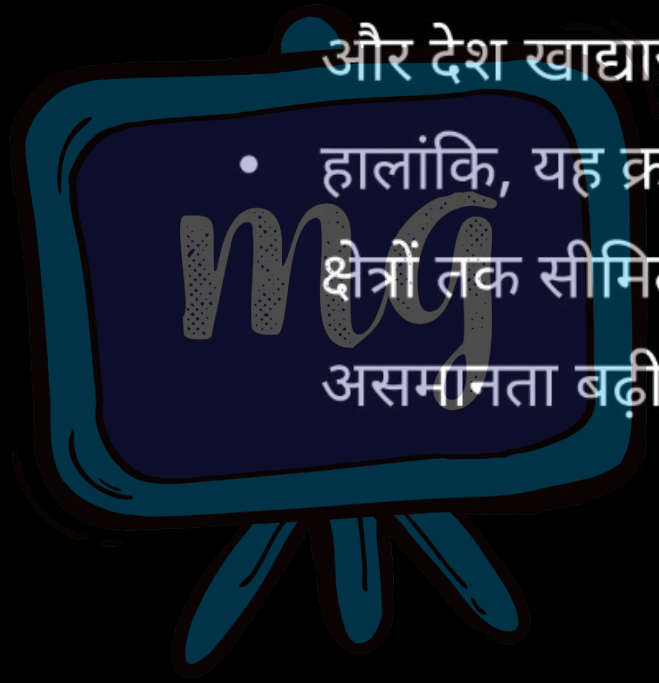
उत्तर :

- हरित क्रांति से भारत में खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई।
- गेहूँ व चावल की उच्च उत्पादक किस्मों को रासायनिक खाद, सिंचाई व कीटनाशकों के साथ अपनाया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इससे कृषि आधारित उद्योगों का विकास हुआ और देश खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बना।
- हालांकि, यह क्रांति प्रारंभ में केवल सिंचित क्षेत्रों तक सीमित रही, जिससे क्षेत्रीय असमानता बढ़ी।



23. सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMSA) के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- NMSA का उद्देश्य कृषि को अधिक स्थायी, लाभकारी और जलवायु-अनुकूल बनाना है।
- यह स्थान-विशिष्ट एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देता है तथा मिट्टी व नमी संरक्षण पर बल देता है।

- इसके अंतर्गत जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जाता है।

24. भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

भारतीय कृषि की समस्याएँ

i. अनियमित मानसून पर निर्भरता

ii. निम्न उत्पादकता

iii. वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता

iv. भूमि सुधारों की कमी

v. छोटे खेत तथा विखंडित जोत

vi. वाणिज्यीकरण का अभाव

vii. व्यापक अल्प रोज़गारी

viii. कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण

25. भारत में कृषि उत्पादन में वृद्धि एवं प्रौद्योगिकी विकास का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

i. **फसल उत्पादन में वृद्धि :** चावल, गेहूँ, गन्ना, कपास व तिलहन के उत्पादन में वृद्धि हुई।

ii. **सिंचाई का विस्तार :** सिंचाई ने आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने का आधार दिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

iii. **उर्वरक व कीटनाशकों का प्रयोग :** पिछले 40 वर्षों में उर्वरकों की खपत 15 गुना बढ़ी।

iv. **आधुनिक तकनीक का प्रसार :** उच्च उत्पादक किस्मों व मशीनरी से कृषि उत्पादन बढ़ा।